शिक्षा शास्त्रा

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ

वाराणसी

एम0ए0 शिक्षा शास्त्रा

;सेमेस्टर पाठ्यक्रमद्ध

नियमावली एवं पाठ्यक्रम

सत्रा 2022–23

एम0ए0 शिक्षा शास्त्रा

नियमावली एवं पाठ्यक्रम

1. प्रवेश अर्हता : ऐसे अभ्यर्थी जो किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक अथवा उसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हैं तथा जो स्नातक स्तर पर ऐच्छिक विषय के रूप में शिक्षा शास्त्रा विषय पढ़ चुके हैं वे ही एम0ए0 शिक्षा शास्त्रा में प्रवेश के पात्रा होंगे। सभी अभ्यर्थी संस्थागत रूप में ही प्रवेश ले सकेंगे।

2. अवध्ि : एम0ए0 शिक्षा शास्त्रा पाठ्यक्रम की अवध्ि दो वर्षों की होगी, जो चार सेमेस्टर में विभाजित होगी।

3. पाठ्यक्रम : एम0ए0 शिक्षा शास्त्रा के प्रत्येक सेमेस्टर में पांच प्रश्नपत्रा होंगे, जिनमें चार सै(ान्तिक और एक प्रयोगात्मक के लिए अलग–अलग अंक निर्धरित हैं। इस प्रकार प्रत्येक सेमेस्टर 500 अंक का होगा। चारों सेमेस्टर का सकल पूर्णांक 2000 अंकों का होगा। प्रत्येक सेमेस्टर में सभी सै(ान्तिक प्रश्न पत्रों में 25 अंकों का आन्तरिक अंक, जिसमें 15 अंक मिड टर्म परीक्षा, 5 अंक एसाईनमेंट तथा 5 अंक उपस्थिति पर प्रदान किए जाएंगे। 75 अंकों की लिखित परीक्षा विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित की जायेगी। इस प्रकार प्रयोगात्मक परीक्षा में 25 अंक मिड टर्म की आन्तरिक प्रायोगिक परीक्षा होगी एवं 75 अंक की प्रायोगिक परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षक के द्वारा सम्पन्न होगी ;एक बाह्य परीक्षक एवं एक आन्तरिक के द्वारा परीक्षा सम्पन्न कराई जायेगीद्ध।

प्रथम सेमेस्टर

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

सप्तम्

ल्मंत	ैमउ	बवनतेम बवकम	च्वमत ज्पजसम	ज्भ्च्	ब्तमकपज	प्दजमतदंस	म्गजमतदंस
(i)							
4	VII	E010701T	शिक्षा के दार्शनिक आधर Philosophical Foundation of Education	TH	05	25	75
4	VII	E010702T	शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधर Sociological Foundation of Education	TH	05	25	75
4	VII	E010703T	भारतीय शिक्षा का विकास Development of Indian Education	TH	05	25	75
4	VII	E010704T	शैक्षिक अनुसंधन एवं सांख्यिकी Educational Research and Statistics	TH	05	25	75
4	VII	E010705T	Practical Work/Viva-Voce शोध् प्रस्ताव का निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण	P	04	25	75

अष्टम्

ल्मंत	ैमउ	बवनतेम बवकम	च्वमत ज्पजसम	ज्भ्च्	ब्तमकपज	प्दजमतदंस	म्गजमतदंस
(ii)							
4	VIII	E010801T	शिक्षा के मनौवैज्ञानिक आधर Psycological Foundation of Education	TH	05	25	75
4	VIII	E010802T	शैक्षिक प्रबंध्न एवं प्रशासन Educational Management and Administration	TH	05	25	75
निम्नलिखित चार ऐच्छिक प्रश्न पत्रों में से किन्हीं दो का चयन किया जाएगा –							
4	**VIII**	**E010803T**	**तुलनात्मक शिक्षा Comparative Education**	**TH**	05	25	75
4	**VIII**	**E010804T**	**पाठ्यक्रम–अध्ययन Curriculum-Study**	**TH**	05	25	75
4	**VIII**	**E010805T**	**महिला शिक्षा एवं लैंगिक संवेदनशीलता Women Education and Gender Sensitivity**	**TH**	05	25	75
4	**VIII**	**E010806T**	**भारतीय शिक्षा की सम–सामयिक समस्याएं Contemporary Problems of Indian Educations**	**TH**	05	25	75
4	VIII	**E010807T**	प्रयोगात्मक कार्य ;मनोवैज्ञानिक परीक्षणद्ध Practical Work(Psycological Test)/Viva-Voce	P	04	25	75

नवम्

ल्मंत	ैमउ	ब्वनतेम ब्वकम	च्चमत ज्पजसम	ज्भ्ष्ट	ब्तमकपज	प्दजमतदंस	म्गजमतदंस
(iii)							
5	IX	E010901T	शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्श Guidance and Counselling in Education	TH	05	25	75
5	IX	E010902T	समावेशी शिक्षा Inclusive Education	TH	05	25	75
5	IX	E010903T	दूरस्थ शिक्षा Distance Education	TH	05	25	75
5	IX	E010904T	पर्यावरण शिक्षा Environmental Education	TH	05	25	75
5	IX	E010905P	लघु शोध एंव उस पर आधरित मौखिकी Dissertation and Viva-Voce	P	04	25	75

दशम्

ल्मंत	ैमउ	ब्वनतेम ब्वकम	च्चमत ज्पजसम	ज्भ्ष्ट	ब्तमकपज	प्दजमतदंस	म्गजमतदंस
(iv)							
5	X	E0101001T	शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन	TH	05	25	75
5	X	E0101002T	शैक्षिक तकनीकी	TH	05	25	75
निम्नलिखित चार ऐच्छिक प्रश्न पत्रों में से किन्हीं दो का चयन किया जाएगा –							
5	**X**	**E0101003T**	**मूल्य एवं शान्ति शिक्षा** **Value and Peace Education**	**TH**	05	25	75
5	**X**	**E0101004T**	**अध्यापक शिक्षा** **Teacher Education**	**TH**	05	25	75
5	**X**	**E0101005T**	**मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता ;सुरक्षाद्ध** **Mental Health and Sanitation (Protection)**	**TH**	05	25	75
5	**X**	**E0101006T**	**प्रौढ़ शिक्षा विज्ञान एवं शिक्षण शास्त्रा** **Andragogy and Pedagogy**	**TH**	05	25	75
5	X	E0101007T	प्रयोगात्मक कार्य एवं मौखिकी Practical Work/Viva-Voce	P	04	25	75

नोट– ज्भ् का अर्थ थ्योरी / सै(ांतिक। च् का अर्थ प्रैक्टिकल / प्रायोगिक।

4. परीक्षा एवं परीक्षापफल की घोषणा :– परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा निर्धरित तिथि पर होगी तथा उत्तर पुस्तिकाओं, उत्तीर्णांक, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के प्राप्तांक का निर्धरण एवं परीक्षापफल की घोषणा विश्वविद्यालय की स्नातकोत्तर परीक्षा के नियमों के अनुरूप होगा।
5. प्रायोगिक एवं मौखिकी परीक्षा :– विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त एक वाह्य एवं एक आन्तरिक परीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से प्रायोगिक एवं मौखिकी परीक्षा सम्पन्न करायी जायेगी जो विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार प्रत्येक अभ्यर्थी को अंक प्रदान करते हुए अंक पत्रा प्रस्तुत करेंगे, जिन्हें सम्मिलित करते हुए परीक्षा पफल की घोषणा की जायेगी।

ै<u>लससंइने क्मअमसवचमक इल रू</u>

S.No.	Name	Designation	Department	University/College
01	Prof. Sunita Tripathi	Professor HOD Education	Education	K.B.P.G. College Mirzapur
02	Smt. Vandana Ojha	Associate Professor	Education	L.B.S.P.G. College, PDDU Nagar Chandauli
03	Sr. Ratnesh Kumar	Assistant Professor	Education	K.B.P.G. College Mirzapur

प्रवेश संख्या एवं प्रवेश प्रक्रिया एवं शुल्क संरचना विश्वविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर ;संस्थागत एवं स्ववित्तपोषितद्ध के लिए निर्धारित नियमों के अनुरूप होंगी।

सप्तम् सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्रा
शिक्षा के दार्शनिक आधर

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी–

- दर्शन एवं शिक्षा के मध्य सम्बन्ध एवं शैक्षिक दर्शन के महत्व को समझ सकेंगे।
- पाश्चात्य दर्शन की विभिन्न शाखाओं के मध्य अन्तर कर सकेंगे।
- भारतीय दर्शन की विभिन्न शाखाओं के मध्य अन्तर कर सकेंगे।
- भारतीय एवं पाश्चात्य विद्वानों के विषय में अवगत हो सकेंगे।

इकाई–1 दर्शनः अर्थ, प्रकृति एवं विषय क्षेत्रा, शिक्षा दर्शन की आवश्यकता, शिक्षा एवं दर्शन में सम्बन्ध।

इकाई–2 शिक्षा दर्शन के पाश्चात्य सम्प्रदाय–आदर्शवाद, प्रकृतिवाद, यथार्थवाद, प्रयोजनवाद एवं अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद, सि(ांत, उद्देश्य, पाठ्यक्रम एवं शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई–3 शिक्षा दर्शन के भारतीय सम्प्रदाय–सांख्य, वेदान्त एवं बौ(–जैनःसि(ान्त, उद्देश्य, पाठ्यक्रम एवं शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई–4 महात्मा गांधी, जे0 कृष्णमूर्ति, सावित्री बाई पफूले, श्रीअरविन्द, विवेकानन्द, टैगौर, वालस्टोनक्राफ्रट, नेल्नोडिंग्स, पालोपफेरे का शिक्षा में योगदान।

अध्ययन ग्रन्थ :

- चतुर्वेदी सीता राम ;1970द्ध, शिक्षा दर्शन, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ।
- तनेजा, बी0आर0 ;1979द्ध, सोशियो–पिफलासिपफीकल एप्रोच टू एजूकेशन, एटलांटिक पब्लिकेशन, दिल्ली।
- नेलर जार्ज एपफ0 ;1971द्ध, इन्ट्रोडक्शन टू पिफलोसपफी आपफ एजूकेशन, जान विली एन्ड सन्स
- पाण्डेय, के0पी0 ;1988द्ध, नवीन शिक्षा दर्शन, अमिताभ प्रकाशन, दिल्ली
- पाण्डेय, रामसकल ;1983द्ध, शिक्षा दर्शन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
- सिंह, बलजीत ;1984द्ध, एजूकेशन ऐन इन्वेस्टमेन्ट, मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ
- प्रो0 गुप्त लक्ष्मीनारायण, डॉ0 श्रीवास्तव नीता

सप्तम् सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्रा
शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधर

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थीः

- समाजशास्त्रा एवं शिक्षा के सम्बन्ध को जान सकेंगे।
- शैक्षिक समाजशास्त्रा एवं शिक्षा के समाज शास्त्रा के मध्य अन्तर करते हुए समाज शास्त्रा की विभिन्न अध्ययन विध्यिों को जान सकेंगे।
- शिक्षा की आधुनिक प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
- शिक्षा के अर्थ शास्त्रा का विश्लेषण कर सकेंगे।

इकाई–1 समाजशास्त्रा तथा शिक्षा में सम्बन्ध, शैक्षिक समाज शास्त्रा–अर्थ, विषय क्षेत्रा एवं इनके अध्ययन की विध्यिां। सामाजिक संस्थाओं का अभिप्राय, प्रकार एवं कार्य ;परिवार विद्यालय समाजद्ध।

इकाई–2 शैक्षिक समाजशास्त्रा के उपागम–प्रतीकात्मक अन्तः क्रिया, संरचनात्मक व्यवहारिक कार्य विध्, संघर्ष सि(ान्त, सामाजिक नियंत्राण एवं शिक्षा, शिक्षा तथा लोकतंत्रा, आधुनिकीकरण एवं शिक्षा, अर्थ एवं महत्व, भारत में युवा आंदोलनों की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि, भविष्य विज्ञान एवं शिक्षा की पृष्ठ भूमि।

इकाई–3 सामाजीकरण की प्रकृति, बालक का सामाजीकरण, सामाजिक परिवर्तन का अर्थ एवं स्वरूप, सामाजिक स्तरीकरण तथा सामाजिक गतिशीलता, भारत में सामाजिक परिवर्तन से सम्बन्ध्ति बाधएं जैसे– जाति, वर्ग, भाषा, ध्र्म एवं क्षेत्रावाद।

इकाई–4 शैक्षिक अवसरों की समानता एवं शिक्षा, जनसंख्या शिक्षा, सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से वंचित वर्गों की शिक्षा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाओं एवं ग्रामीण जनता के विशेष सन्दर्भ में। शिक्षा का अर्थ शास्त्रा–सम्प्रत्यय एवं विकास, शिक्षा एवं आर्थिक विकास, पूंजीनिवेश के रूप में शिक्षा की अवधरणा।

अध्ययन ग्रंथ–

- पचौरी, गिरीश ;2009द्ध, उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक, इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस लायल बुक डिपो, मेरठ।
- पाण्डेय, के0पी0 ;2007द्ध, शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- पाण्डेय, रामसकल ;2009द्ध, उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
- मिश्रा, उषा ;2008द्ध, शिक्षा का समाज शास्त्रा, न्यू कैलाश प्रकाशन, इलाहाबाद।
- लाल, रमन बिहारी ;2009द्ध, शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सि(ान्त, रस्तोगी पब्लिकेशन, मेरठ।
- शर्मा, सरोज ;2003द्ध, उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा, शीतल प्रिन्टर्स, सिंह कालोनी, जयपुर।

सप्तम् सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्रा
भारतीय शिक्षा का विकास

उद्देश्य– इस प्रश्नपत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी :

- प्राचीन भारतीय शिक्षा की प्रकृति से अवगत हो सकेंगे।
- ब्रिटिश काल में शिक्षा के विकास हेतु गठित विभिन्न आयोगों की संस्तुतियों को समझ सकेंगे।
- राष्ट्रीय शैक्षिक संस्थान के महत्व को जान सकेंगे।
- स्वतन्त्राता के बाद भारतीय शिक्षा के विकास हेतु गठित विभिन्न आयोगों की संस्तुतियों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

इकाई–1 प्राचीन भारतीय शिक्षा–वैदिक, बौ(कालीन एवं मध्य कालीन : उद्देश्य, पाठ्यक्रम, शिक्षण विधियों, गुरू–शिष्य सम्बन्ध एवं शिक्षण केन्द्र के विशेष सन्दर्भ में।

इकाई–2 राष्ट्रीय नीतियां, राष्ट्रीय विकास का परस्पर सम्बन्ध : शैक्षिक नीतियों के निर्धरण, तत्व और नीति निर्माण की प्रक्रिया, नीतियों विभिन्न विकल्पों का निर्माण, मूल्यांकन, बनाई गई नीतियों के क्रियान्वयन की योजना एवं उसका प्रभाव।

इकाई–3 स्वाधीनता के बाद भारतीय शिक्षा के विकास हेतु गठित विभिन्न आयोगों का अध्ययन, विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग ;1948–49द्ध, माध्यमिक शिक्षा आयोग ;1952–53द्ध, शिक्षा आयोग ;1964–66द्ध, राष्ट्रीय शिक्षा नीति ;1986 एवं 1992द्ध : संस्तुतियां एवं प्रभाव।

इकाई–4 राष्ट्रीय अध्यापक आयोग ;1999द्ध, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या प्रेमवर्क ;1999–2005द्ध, राष्ट्रीय ज्ञान आयोग ;2007द्ध, यशपाल कमेटी ;2009द्ध, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या प्रेमवर्क ;2009द्ध, जस्टिस वर्मा कमेटी रिपोर्ट ;2012द्ध

अध्ययन ग्रंथ –

- विभिन्न आयोगों का अध्ययन
- अग्रवाल, जे0सी0 ;2007द्ध, भारत में शिक्षा व्यवस्था का विकास, शिप्रा पब्लिकेशन, दिल्ली
- गुप्ता, एस0पी0 ;2005द्ध, भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएं, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
- मुकर्जी, आर0के0 ;1960द्ध, एन्सियन्ट इंडियन एजूकेशन, मोती लाल बनारसी लाल, दिल्ली

सप्तम् सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्रा
शैक्षिक अनुसंधन एवं सांख्यिकी

उद्देश्य— इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी :

- शैक्षिक अनुसंधन का अर्थ एवं उसके विषय क्षेत्रा को जान सकेंगे।
- अनुसंधन के विविध प्रकारों ;मौलिक, व्यवहृत एवं क्रियात्मकद्ध में अन्तर कर सकेंगे।
- शैक्षिक अनुसंधन की विध्यिों को जान सकेंगे।
- शैक्षिक अनुसंधन की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
- शैक्षिक शोध से सम्बन्धित विभिन्न उपकरणों का प्रयोग कर सकेंगे।
- आंकड़ों के विश्लेषण एवं व्याख्या के लिए सांख्यिकीय विध्यिों का प्रयोग कर सकेंगे।

इकाई—1 शैक्षिक अनुसंधन का अर्थ एवं उद्देश्य, अनुसंधन के प्रकार, मूलभूत व्यवहृत एवं क्रियात्मक अनुसंधन—उद्देश्य, समस्या की प्रकृति, विध् एवं शोध परिणामों के उपयोग की दृष्टि से अन्तर, शैक्षिक अनुसंधन की विध्यिां—ऐतिहासिक, वर्णनात्मक सर्वेक्षण, प्रयोगात्मक, कार्योत्तर एवं व्यष्टि अध्ययन की प्रणाली, गुणात्मक शोध—अर्थ, प्रकार एवं विध्, शोध समस्या की स्थापना—समस्या का चयन, परिभाषीकरण एवं सीमान्कन।

इकाई—2 परिकल्पना निर्माण— प्रक्रिया, स्रोत एवं अच्छी परिकल्पना की विशेषताएं, परिकल्पना परीक्षण, सामान्यीकरण एवं निष्कर्ष निरूपण, शैक्षिक शोध में समग्र एवं प्रतिदर्श चयन की सम्भावयता एवं असम्भाव्यता पर आधरित विध्यिां, अच्छे प्रतिदर्श की विशेषताएं, आधर सामग्री के संकलन हेतु प्रयुक्त शोध उपकरण—शोध उपकरण की विशेषताएं, प्रयोगविध्, प्रश्नावली, साक्षात्कार, प्रेक्षण, क्रमनिर्धरण मापिनी ;रेटिंग स्केलद्ध, समाजमिति।

इकाई—3 केन्द्रवर्तीमान—मध्यमान, मध्यांक एवं बहुलांक—गणनाविध् एवं प्रयोग। विचलन मान—मध्यमान विचलन, प्रामाणिक विचनन एवं चतुर्थांश विचलन—गणनाविध् एवं प्रयोग। सहसम्बन्ध गुणांक—स्पीयरमैन, कार्लपियर्सन विध् द्वारा सहसम्बन्ध ज्ञात करना तथा परिणामों की व्याख्या। प्रदत्तों का रेखाचित्राीय प्रदर्शन—स्तम्भाकृति, आवृत्ति बहुभुज, संचयी आवृत्ति वक्र, संचयी आवृत्ति प्रतिशत वक्र।

इकाई—4 सामान्य सम्भाव्यता वक्र की विशेषताएं एवं उपयोग। प्राचलिक परीक्षण—टी परीक्षण, एक मार्गीय प्रसरण विश्लेषण। अप्राचलिक परीक्षण—काई वर्ग परीक्षण। । व ।। प्रकार की त्राुटि।

अध्ययन ग्रंथ :

- गुप्ता, एस0पी0 ;2002द्ध, सांख्यिकीय विध्यिां, शारदा पुस्तक भवन, 11 यूनिवर्सिटी रोड, इलाहाबाद।
- पाण्डेय, के0पी0 ;2006द्ध, शैक्षिक अनुसंधन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- पाण्डेय, के0पी0 ;1995द्ध, शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधन, अमिताश प्रकाशन, मेरठ।
- राय, पारसनाथ ;1985द्ध, अनुसंधन परिचय, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा।
- वर्मा, एम0 ;1965द्ध, एन इन्ट्रोडक्शन टू एजूकेशनल एण्ड साइकोलाजिकल रिसर्च, एशिया पब्लिशिंग हाउस।
- सिंह, अरूण कुमार ;2010द्ध, मनोविज्ञान, समाजशास्त्रा तथा शिक्षा में शोध विध्यिां, मोती लाल बनारसी दास, बंग्लो रोड, दिल्ली।

सप्तम् सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्रा ;अनिवार्यद्ध
प्रायोगिक ;शोध प्रस्तावद्ध

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी

- शोध के चरण से अवगत होंगे।
- शोध प्रस्ताव को समझ सकेंगे।
- संदर्भित साहित्य का अध्ययन कर सकेंगे।

इकाई–1 शोध की आवश्यकता। समस्या कथन ;प्रयुक्त पदों का परिभाषीकरणद्ध

इकाई–2 शोध के उद्देश्य।

इकाई–3 शोध परिकल्पनाएं/शोध प्रश्न।

इकाई–4 शोध विधि ;जनसंख्या, न्यादर्श, उपकरण, सांख्यिकीय विधियांद्ध, शोध सीमांकन, अध्यायीकरण, संदर्भ ग्रंथ सूची।

- शोध प्रस्ताव निर्माण लिखित 25 अंक,
- पीपीटी;पावर प्वाइंट प्रेजेन्टेशनद्ध 25 अंक,
- मौखिक परीक्षा 25 अंक

नोट– 75 अंक बाह्य परीक्षक एवं आन्तरिक परीक्षक के द्वारा सम्पन्न कराया जायेगा।

अध्ययन ग्रंथ :

- गुप्ता, एस0पी0, अनुसंधन संदर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, प्रयागराज।
- कपिल एच0के0, अनुसंधन विधियां व्यवहार पर विज्ञान में, एसपी भार्गव बुक हाउस, आगरा।
- सुलेमान एम0 मनोविज्ञान, समाजशास्त्रा तथा शिक्षा में शोध विधियां, जनरल बुक एजेंसी, पटना।
- राय पारसनाथ अनुसंधन परिचय, नवरंग आपफसेट प्रिंटर्स आगरा।
- भटनागर आर0पी0, शिक्षा अनुसंधन, लाल बुक डिपो, मेरठ।
- कौल लोकेश, शैक्षिक अनुसंधन की कार्यप्रणाली, विकास, पब्लिक इन पब्लिशिंग हाउस, प्रा.लि., नई दिल्ली।
- सिंह, अरूण कुमार, मनोविज्ञान, समाजशास्त्रा शिक्षा में शोध विधियां, मोतीलाल बनारसीदास बंगलो रोड, दिल्ली।

अष्टम् सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्रा
शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधर

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थीः–

- शिक्षा मनोविज्ञान के अर्थ, विषय क्षेत्रा, इसकी भारतीय एवं पाश्चात्य अवधरणा तथा शिक्षक के लिए उसकी प्रासंगिकता को समझ सकेंगे।
- बुि(की अवधरणा एवं उसके विभिन्न सि(ान्तों को जान सकेंगे।
- व्यक्तित्व के सम्प्रत्यय एवं उसके विभिन्न सि(ान्तों की व्याख्या कर सकेंगे।
- अध्गिम के विभिन्न सि(ान्तों के मध्य अन्तर कर सकेंगे।
- अभिप्रेरणा एवं समन्जन के सम्प्रत्यय एवं उसके शैक्षिक निहितार्थ को समझ सकेंगे।
- विशिष्ट बालकों की पहचान एवं उसकी शिक्षा व्यवस्था को जान सकेंगे।

इकाई–1 शिक्षा मनोविज्ञान की परिभाषा एवं विषय क्षेत्रा, शिक्षा एवं मनोविज्ञान में सम्बन्ध्, शिक्षा मनोविज्ञान की अध्ययन की विध्यिां, बालक का सामाजिक, मानसिक एवं संवेगात्मक विकास, वृि(एवं विकास का सम्बन्ध्, शिक्षा मनोविज्ञान भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि।

इकाई–2 बुि(–परिभाषा, सि(ान्त–गिलपफोर्ड का बुि(संरचना प्रतिमान, संवेगात्मक बुि(, बुि(का मापन, व्यक्तित्व की परिभाषा, सि(ान्त, विशेषक सि(ान्त–आलपोर्ट एवं कैटिल मनोविश्लेषणवादी सि(ान्त–ऋायड व्यक्तित्व का मापन, बुि(एवं व्यक्तित्व की अवधरणा–भारतीय दृष्टि।

इकाई–3 अध्गिम का अर्थ, अध्गिम को प्रभावित करने वाले कारक, अध्गिम के सि(ान्त–कोहलर का सूझ एवं अन्तर्दृष्टि सि(ान्त, हल का आवश्यकता, हाट्सन–अध्गिम सि(ान्त, टालमैन का संकेत अध्गिम सि(ान्त, गेने का अध्गिम पा दृष्टिकोण, अध्गिम अन्तरण और इसके सि(ान्त, अभिप्रेरणा–सम्प्रत्यय भारतीय अवधरणा पुरुषार्थ चतुष्टय ;ध्र्म, अर्थ, काम, मोक्षद्ध, शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई–4 विशिष्ट बालक–सृजनात्मक, प्रतिभाशाली, पिछड़े तथा मन्दितमना बालकों की विशेषताएं एवं इनकी शिक्षा व्यवस्था, समन्जन–अर्थ, प्रक्रिया, मानसिक द्वन्द्व एवं रक्षा युक्तियां।

अध्ययन ग्रंथ–

- गुप्ता एस0पी0 एवं गुप्ता ए0 ;2004द्ध, उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, युनिवर्सिटी रोड, इलाहाबाद।
- पाण्डेय के0पी0 ;2009द्ध, नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- पाण्डेय कल्पलता एवं श्रीवास्तव एस0एस0 ;2007द्ध, शिक्षा मनोविज्ञान, भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि, टाटा मैकग्रहिल, नई दिल्ली।
- शर्मा आर0ए0 एवं शर्मा आर0 ;1962द्ध, भारतीय मनोविज्ञान, अटलांटिक पब्लिशर एवं डिस्ट्रीब्युटर, नई दिल्ली।
- पण्डेय के0पी0 ;2007द्ध, एडवांस एजुकेशनल साइकोलाजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

अष्टम् सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्रा
शैक्षिक प्रबंध्न एवं प्रशासन

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थी :–

- शिक्षा में प्रबंध्न के विभिन्न उपागमों के मध्य अन्तर कर सकेंगे।
- शैक्षिक प्रबंध् के कार्यों को समझ सकेंगे।
- विद्यालय के संगठनात्मक वातावरण के सम्प्रत्यय की व्याख्या कर सकेंगे।
- शैक्षिक वित्त एवं वित्तीय प्रशासन की अवधरणा को समझ सकेंगे।
- शैक्षिक प्रशासन की संरचना की विभिन्न स्तरों के मध्य अन्तर कर सकेंगे।
- शैक्षिक प्रबंध्न एवं प्रशासन के क्षेत्रा में किए जा रहे शोधें की समीक्षा कर सकेंगे।

इकाई–1 शिक्षा में प्रबंध्न एवं प्रशासन के सि(ान्तों का विकास, थ्योरी आपफ टेलरिज्म प्रशासन प्रक्रिया तथा ब्यूरोक्रेसी के रूप में संगठन, प्रबंध् एवं प्रशासन की अवधरणा एवं उसमें परस्पर सम्बन्ध्, शिक्षा में प्रबन्ध् के विभिन्न उपागम, पोस्टकार्ब, पीओएसडी, सीओआरबी, सीपीएम, स्वाट एनेलिसिस, पीईआरटी, प्रबंध्न एवं प्रशासन के मुख्य कार्य एवं प्रक्रियाएः नियोजन, संगठन, नेतृत्व, नियंत्राण, मूल्यांकन।

इकाई–2 शैक्षिक प्रबंध्न की भूमिकाएं एवं कार्यः शैक्षिक नेतृत्व, संगठनात्मक सीमाएं, नेतृत्व एवं प्रशासन, नेतृत्व शैली, सि(ान्त, मानवीय गुणों के उद्देश्य पूर्ण विकास हेतु अध्गिम एवं अनुदेशन, नेतृत्व के उपागम–विशिष्टता का उपागम, परिवर्तनकारी उपागम, कार्य सम्पादन परख, मूल्य आधरित उपागम, सांस्कृतिक उपागम, मनोगत्यात्मक उपागम, करिश्माई उपागम, नेतृत्व माडल–ब्लैक तथा मूटन्स का प्रबंध्कीय ग्रीड, पिफडलर का कान्टीजेन्सी माडल, त्रिआयामी माडल, हरसी तथा ब्लेन्चर्ड का माडल, लीडर माडल एक्सचेंज थ्योरी।

इकाई–3 केन्द्रीय एवं राज्य स्तर पर शैक्षिक प्रशासन संरचनाः उच्च शिक्षा में शैक्षिक प्रशासन के मुद्दे एवं समस्याएं, भारतीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय गुणवत्ता संव(र्न संस्थाएं–राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्ययन परिषद् ;एनएएसीद्ध, भारतीय गुणवत्ता परिषद् ;क्यूसीआईद्ध, उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संव(र्न संस्थाओं के लिए अन्तर्राट्रीय नेटवर्क ;सीआईएनक्यूएएचईद्ध।

इकाई–4 भारत में शैक्षिक वित्त एवं वित्तीय प्रशासन की अवधरणा का विकासः संक्षिप्त परिचय, बजट एवं उसके प्रकार। शैक्षिक प्रबंध्न एवं प्रशासन के क्षेत्रा में किए जा रहे शोध्।

अध्ययन ग्रंथ–

- ओड एल0के0 ;1992द्ध, शैक्षिक प्रशासन, जयपुर राजस्थान ग्रंथ एकेडमी।
- चतुर्वेदी आर0एन0 ;1989द्ध, द एडमिनिस्ट्रेशन आपफ हायर एजूकेशन इन इंडिया, जयपुर प्रिंटवेल प0।
- गुप्ता एल0डी0 ;1987द्ध, एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन, आक्सपफोर्ड एवं आईबीएच।
- गोयल एस0एल0 ;2005द्ध, मैनेजमेंट इन एजुकेशन, नई दिल्ली, एपीएच प0 कार्पोरेशन।
- भटनागर आर0पी0 एवं अग्रवाल विद्या ;1986द्ध, एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली, इंटरनेशनल पब्लिशन हाउस।
- भट्ट बी0डी0 एवं शर्मा एस0डी0 ;1992द्ध, एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन हैदराबाद, कनिष्क पब्लिकेशन हाउस, बुक लिंक कार्पोरेशन।
- राय चौध्री नमिता 1992, मैनेजमेंट इन एजुकेशन नई दिल्ली, एपीएच पब्लिकेशन।

अष्टम् सेमेस्टर
तृतीय/चतुर्थ प्रश्न पत्रा ;ऐच्छिक– Iद्ध
तुलनात्मक शिक्षा

नोट– चार ऐच्छिक प्रश्न पत्रों में से चुने गए दो ऐच्छिक प्रश्न पत्रा क्रमशः तृतीय एवं चतुर्थ प्रश्न पत्रा होंगे।

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थीः

- विश्व स्तर पर शिक्षा के क्षेत्रों में हुए परिवर्तनों को जान सकेंगे।
- विभिन्न देशों की भौगोलिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक परिस्थितियों को समझ सकेंगे।
- विकसित राष्ट्रों के विकास के मूल में शिक्षा की अनिवार्यता को समझ सकेंगे।
- विकासशील एवं विकसित राष्ट्रों की विभिन्न शैक्षिक समस्याओं से परिचित हो सकेंगे।
- विभिन्न देशों की शिक्षा व्यवस्थाओं का समीक्षात्मक अध्ययन कर अपने कौशल एवं चिंतन में परिवर्तन कर सकेंगे।
- ब्रिटेन, अमेरिका तथा भारत की शैक्षिक परिस्थितियों का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

इकाई–1 तुलनात्मक शिक्षा अर्थ, क्षेत्रा, विकास, उद्देश्य एवं अध्ययन विध्यिां, गणनात्मक, सामाजिक, सांस्कृति, वैज्ञानिक एवं सांख्यिकीय, तुलनात्मक शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारक। राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली के विकास में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग का योगदान।

इकाई–2 भारत, ब्रिटेन एवं अमेरिका में प्राथमिक शिक्षा–उद्देश्य, संगठन तथा पाठ्यक्रम, भारत, ब्रिटेन एवं अमेरिका में माध्यमिक एवं व्यवसायिक शिक्षा–उद्देश्य, संगठन तथा पाठ्यक्रम।

इकाई–3 भारत, ब्रिटेन एवं अमेरिका में उच्च शिक्षा के उद्देश्य, संगठन तथा पाठ्यक्रम। भारत, ब्रिटेन एवं अमेरिका में अध्यापक शिक्षा के उद्देश्य, संगठन तथा पाठ्यक्रम।

इकाई–4 भारत, ब्रिटेन एवं अमेरिका में दूरवर्ती एवं सतत् शिक्षा। भारत, ब्रिटेन तथा अमेरिका में शैक्षिक स्वायत्तता।

अध्ययन ग्रंथ–

- चौबे सरयू प्रसाद ;2008द्ध, तुलनात्मक शिक्षा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- जायसवाल सीताराम ;1970द्ध, तुलनात्मक शिक्षा, हिन्दी समिति सूचना विभाग, उ0प्र0 लखनऊ।
- पाण्डेय के0पी0 ;1988द्ध, कम्पेरेटिव एजुकेशन, अमिताभ प्रकाशन, गाजियाबाद, दिल्ली।
- पाण्डेय के0पी0 ;1987द्ध, तुलनात्मक शिक्षाा, अमिताभ प्रकाशन, भवानी नगर, मेरठ।
- मलैया के0सी0 ;1966द्ध, तुलनात्मक शिक्षा, लोक भारती प्रकाशन।

अष्टम् सेमेस्टर
तृतीय/चतुर्थ प्रश्न पत्रा ;ऐच्छिक–।।द्ध
पाठ्यक्रम अध्ययन

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थीः–

- पाठ्यक्रम की संकल्पना तथा सि(ान्त को जान सकेंगे।
- पाठ्यक्रम विकास में यू0जी0सी0 की भूमिका को जान सकेंगे।
- पाठ्यक्रम के विभिन्न क्षेत्राों को जान सकेंगे।
- पाठ्यक्रम परिवर्तन के अर्थ को जान सकेंगे।

इकाई–1 पाठ्यक्रम की संकल्पना तथा सि(ान्त, पाठ्यक्रम विकास की कार्य नीति, पाठ्यक्रम विकास की प्रक्रिया की अवस्थाएं, बेंच मार्किंग तथा राष्ट्र स्तरीय संवैधनिक निकायों की भूमिका, पाठ्यक्रम विकास में यू0जी0सी0, एन0सी0टी0ई0 एवं विश्वविद्यालय की भूमिका।

इकाई–2 पाठ्यक्रम अभिकल्प परम्परागत तथा सक्षमता आधरित माडल, सामाजिक कार्य, वैयक्तिक आवश्यकताएं तथा अभिरूचि माडल, परिणाम आधरित, एकीकृत माडल, सी0आई0पी0पी0 माडल, कान्टैक्ट्स, इनपुट, प्रोसेस, प्रोडक्ट माडल।

इकाई–3 अनुदेशात्मक प्रणाली, अनुदेशात्मक मीडिया, पाठ्यक्रम मूल्यांकन के उपागम, पाठ्यक्रम तथा अनुदेश के प्रति उपागम।

इकाई–4 पाठ्यक्रम मूल्यांकन के माडल्स, टाईलर का माडल, स्टेक का माडल, स्क्रीबेन का माडल, कीर्कपट्रिक का माडल।

अध्ययन ग्रंथ–

- यादव एस0 ;2010द्ध, पाठ्यक्रम विकास, आगरा, श्री विनोद पुस्तक मंदिर।
- माथुर एस0एस0 ;1981द्ध, शिक्षण कला, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।
- मिश्र आत्मानंद ;1985द्ध, शिक्षण कला यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
- अग्रवाल जे0सी0 ;1990द्ध, कैरीकुलम रिपफार्म इन इंडिया, नई दिल्ली।

अष्टम् सेमेस्टर
तृतीय/चतुर्थ प्रश्न पत्रा ;ऐच्छिक–।।।द्ध
महिला शिक्षा एवं लैंगिग संवेदनशीलता

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थीः

- महिला शिक्षा की अवधरणा जान सकेंगे।
- महिला शिक्षा के सम्बन्धित विभिन्न प्रावधनों का वर्णन कर सकेंगे।
- बालिकाओं की शिक्षा में समकालीन मुद्दों को जान सकेंगे।
- बालिकाओं की शिक्षा पर नीतियों को जान सकेंगे।

इकाई–1 लिंग समानता और लिंग संवेदनशीलता, वैचारिक नीव ;लिंग समानता, लिंग न्याय और लिंग मुख्य स्ट्रीमिंग, लिंग समानता सूचकांकद्ध, अवसरों की समानता, शैक्षिक विकास में असंतुलन, लैंगिग असमानता के आर्थिक और सामाजिक परिणाम। भारत में लैंगिग समानता के लिए संवैधनिक प्रतिब(ता।

इकाई–2 बालिका शिक्षा–स्कूली शिक्षा की स्थिति में बालिका की सहभागिता और समस्याएं, मानव विकास संकेतकों में भारत की स्थिति ;लिंग पर ध्यान देने के साथद्ध, भारतीय समाज में बालिका महिलाओं की स्थिति, प्रवेश, नामांकन की स्थिति।

इकाई–3 बालिका की शिक्षा में समकालीन मुद्दे, लिंग का सामाजिक निर्माण, समाजीकरण, परिवार और लिंग पहचान, मीडिया, लिंग भूमिकाएं, जाति, वर्ग, समुदाय और लिंग सम्बन्ध।

इकाई–4 बालिकाओं की शिक्षा पर रणनीतियां, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय। शिक्षा में लैंगिग समानता के लिए गैर सरकारी संगठनों की भूमिका, बालिका शिक्षा के लिए सामुदायिक भागीदारी।

अध्ययन ग्रंथ–

- बैंक, बीजे ;2007द्ध, जेण्डर एण्ड एजूकेशन एन इनसाक्लोपीडिया प्रेगर, वेस्टपोर्ट, लंदन।
- भट्ट बी0डी0 और शर्मा एस0आर0 ;1992द्ध, महिला शिक्षा और सामाजिक विकास, दिल्ली कनिष्क।

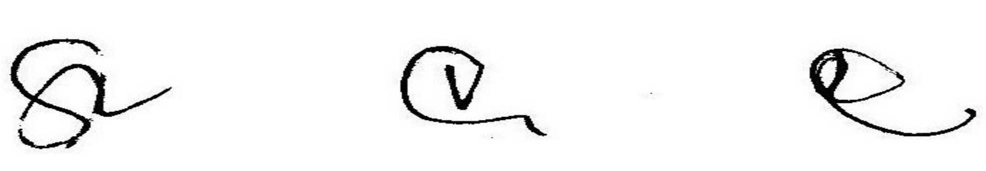

अष्टम् सेमेस्टर
तृतीय/चतुर्थ प्रश्न पत्रा ;ऐच्छिक– ।अद्ध
भारतीय शिक्षा की समसामयिक समस्याएं

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थीः

- भारतीय शिक्षा व्यवस्था की समस्याओं के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता एवं सजग दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।
- प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च शिक्षा के क्षेत्रा में पाई जाने वाली समस्याओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
- राष्ट्रीय संस्थान, यू0जी0सी0, नैक एवं एन0सी0टी0ई0 की शिक्षा में भूमिका का मूल्यांकन जान सकेंगे।

इकाई–1 प्राथमिक शिक्षा अपव्यय एवं अवरोध्न की समस्या, शिक्षा के सार्वभौमिकीकरण, अनौपचारिक एवं खुले विश्वविद्यालय।

इकाई–2 उच्च शिक्षा विश्वविद्यालयों के प्रकार, उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की समस्या मुक्त विश्वविद्यालय एवं पत्राचार पाठ्यक्रम प्रणाली, विश्वविद्यालय की स्वायत्तता, राष्ट्रीय संस्थान यू0जी0सी0 एवं नैक की शिक्षा में उन्नति हेतु भूमिका।

इकाई–3 जनसंख्या शिक्षा, एल0पी0जी0 एवं शिक्षा।

इकाई–4 शिक्षा में वैश्वीकरण एवं इसका प्रभाव, भारत में निजी विश्वविद्यालय एवं विदेशी विश्वविद्यालय एवं वर्तमान भारतीय विश्वविद्यालय का भविष्य।

अध्ययन ग्रंथ–

- अग्रवाल जे0सी0 ;2007द्ध, भारत में शिक्षा व्यवस्था, शिप्रा पब्लिकेशन, दिल्ली।
- शर्मा आर0ए0 ;2007द्ध, भारतीय शिक्षा प्रणाली का विकास, लाल बुक डिपो, मेरठ।
- पाण्डेय के0पी0 ;1999द्ध, भारतीय शिक्षा की समस्याएं वर्तमान संदर्भ, अभिताष प्रकाशन, मेरठ।
- पाण्डेय रामसकल एवं मिश्र करूणा शंकर, भारतीय शिक्षा की समसामयिक समस्याएं, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।

अष्टम् सेमेस्टर
पंचम् प्रश्न पत्रा ;अनिवार्यद्ध
प्रायोगिक कार्य एवं मौखिकी

विद्यार्थियों को प्रायोगिक कार्य के अन्तर्गत अधेलिखित सात प्रयोगों को करना होगा। जिनमें से किन्हीं दो प्रयोगों को प्रायोगिक परीक्षा में करना होगा।

;1द्ध व्यक्तित्व मापन।
;2द्ध बु(परीक्षण।
;3द्ध सृजनात्मक परीक्षण।
;4द्ध आत्म सम्प्रत्यय।
;5द्ध अभिरूचि परीक्षण।
;6द्ध चिंतामापन।
;7द्ध अभिवृत्ति परीक्षण।
;8द्ध मानसिक थकान परीक्षण।
;9द्ध पुनः स्मरण एवं पहचान परीक्षण।
;10द्ध प्रतिबल मापन परीक्षण।
;11द्ध समाजमिति परीक्षण।
;12द्ध मूल्य परीक्षण।

नोट– दो प्रायोगिक परीक्षण 20+20 अंक

अभिलेख पंजिका निर्माण 15 अंक

मौखिकी 20 अंक

नोट– 75 अंक बाह्य परीक्षक एवं आन्तरिक परीक्षक के द्वारा सम्पन्न कराया जायेगा।

नवम् सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्रा
शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्श

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के उपरान्त विद्यार्थीः

- अपने दैनिक जीवन में निर्देशन के महत्व एवं उपयोग को जान सकेंगे।
- निर्देशन के सि(ान्त, अन्तर्निहित मान्यताएं, आधुनिक प्रवृत्तियां एवं समस्याओं को जान सकेंगे।
- निर्देशन तथा परामर्श के विभिन्न प्रकारों को जान सकेंगे।
- निर्देशन तथा परामर्श के विभिन्न तकनीकी उपागमों का समस्या–समाधन में प्रयोग कर सकेंगे।
- निर्देशन में विभिन्न मूल्यांकन एवं प्रविध्यिों को जान सकेंगे।
- निर्देशन तथा परामर्श के विभिन्न उपकरणों एवं प्रविध्यिों को जान सकेंगे।

इकाई–1 निर्देशन–अर्थ, आवश्यकता, क्षेत्रा, सि(ान्त, मान्यताएं, प्रकृति एवं आधुनिक प्रवृत्तियां। भारतीय संदर्भ में निर्देशन की वर्तमान स्थिति एवं समस्याएं।

इकाई–2 निर्देशन के प्रकार–शैक्षिक, व्यवसायिक, व्यक्तिगत–उद्देश्य, अन्तर एवं प्रयुक्त विध्यिां, निर्देशन का प्रारूप, वैयक्तिक एवं सामूहिक। विद्यालयों में निर्देशन कार्यक्रमों का संगठन एवं प्रशासन। व्यवसायिक सूचना–स्रोत संग्रहण तथा प्रसारण।

इकाई–3 शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर निर्देशन सेवाएं। निर्देशन सेवाओं के प्रकार–सूचना सेवा, व्यक्तिगत सूचना संग्रह, व्यवसायिक सूचना संग्रह व प्रसारण, स्थापन सेवा, अनुवर्तन सेवा।

इकाई–4 परामर्श अर्थ, सि(ान्त, सोपान एवं प्रविध्, परामर्श की प्रक्रिया तथा अच्छे परामर्शक की विशेषताएं, परामर्श के प्रकार–निदेशात्मक, अनिदेशात्मक तथा संकलनात्मक परामर्श–अर्थ प्रक्रिया अन्तर। निर्देशन कार्यक्रम का मूल्यांकन–मूल्यांकन की विभिन्न प्रविध्यिां एवं उपयोगिता, परामर्श के प्रति उपागम–संज्ञानात्मक, व्यवहारवादी ;एलवर्ट एलिस, आर0ई0बी0टी0द्ध मानवतावादी, व्यक्ति केन्द्रित परामर्श–काल रोजर्स।

अध्ययन ग्रंथ–

- अग्रवाल जे0सी0 ;1989द्ध, एजूकेशन वोकेशनल गाईडेन्स एण्ड काउन्सिलिंग, दिल्ली दोवाबा हाउस, दिल्ली।
- ओबेराय एस0सी0 ;2001द्ध, शैक्षिक एवं व्यवसायिक निर्देशन एवं परामर्श, लायल बुक डिपो, मेरठ।
- जायसवाल सीता राम ;1987द्ध, शिक्षा में निर्देशन एवं परामर्श, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- जान आर्थर जे0 ;1963द्ध, प्रिंसिपल आपफ गाईडेन्स, मेकग्रहिल बुक कम्पनी, न्यूयार्क, लंदन।
- शर्मा आर0ए0 एवं चतुर्वेदी शिखा ;2010द्ध, निर्देशन एवं परामर्श के मूल तत्व, आर0लाल बुक डिपो, मेरठ।
- दुबे रमाकांत ;1982द्ध, शैक्षिक एवं व्यवसायिक निर्देशन के मूल आधर, राजेश पब्लिशिंग हाउस, मेरठ।

नवम् सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्रा
समावेशी शिक्षा

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थीः

- समावेशी शिक्षा की अवधरणा जान सकेंगे।
- समावेशी शिक्षा सम्बन्धित सहायक एवं बाध कारकों का पहचान जान सकेंगे।

इकाई–1 समावेशी शिक्षा–अवधरणा, सि(ान्त, विषय क्षेत्रा। एकीकृत समावेशी शिक्षा, विध्कि प्रावधन, नीतियां एवं अधिनियम।

इकाई–2 दोषग्रस्तता, दिव्यांगता तथा अपंगता की अवधरणा–विद्यालय की तैयारी तथा समावेशन के माडल्स, प्रकार अभिलक्षण की शैक्षिक आवश्यकताएं, दिव्यांगता के कारण तथा निवारण, समावेश हेतु असामान्य विद्यार्थियों की पहचान।

इकाई–3 समावेशी कक्षाओं का नियोजन तथा प्रबंध्न एवं उपचारात्मक शिक्षण, निःशक्त व्यक्तित्व अध्ययन अधिनियत 1995, राष्ट्रीय नीति 2006, असामान्य विद्यार्थियों के लिए रयायत, भारतीय पुनर्वास परिषद् अधिनियम 1992।

इकाई–4 समावेशी शिक्षा में बाध्क तत्व, भारत में समावेशी शिक्षा की स्थिति, भारत में समावेशी शिक्षा के क्षेत्रा में शोध् प्रवृत्तियां।

अध्ययन ग्रंथ–

- झा मदन मोहन, समावेशी शिक्षा, दृष्टिकोण और प्रक्रियायें, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
- ब्रिस्टलः सेंटर पफार स्टडीज इन इन्क्लूसिव एजूकेशन।
- पाठक आर0पी0, समावेशी शिक्षा

नवम् सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्रा
दूरस्थ शिक्षा

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थीः

- दूरस्थ शिक्षा के सम्प्रत्यय एवं इसकी भारत एवं विदेशों में प्रासंगिकता को जान सकेंगे।
- दूरस्थ शिक्षा में विद्यार्थी एवं शिक्षक के स्वरूप, दायित्व एवं उनसे सम्बन्धित विभिन्न समस्याओं को जान सकेंगे।
- दूरस्थ शिक्षा में प्रयुक्त विभिन्न माध्यमों के मध्य अन्तर जान सकेंगे।
- दूरस्थ शिक्षा में आत्म अनुदेशित पाठ्य सामग्री के निर्माण की प्रक्रिया को जान सकेंगे।
- दूरस्थ शिक्षा के संगठनात्मक स्वरूप का मूल्यांकन कर सकेंगे।
- दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्रा में किए जा रहे शोधें से परिचित हो सकेंगे।

इकाई–1 दूरस्थ शिक्षा एवं शिक्षक–सम्प्रत्यय, आवश्यकता, अध्ययन क्षेत्रा एवं वर्तमान शैक्षिक संदर्भ में इसकी प्रासंगिकता। दूरस्थ शिक्षा का भारत में विकास एवं वर्तमान स्थिति। दूरस्थ शिक्षा का दार्शनिक आधर–माइकल मूरे, चार्ल्स वेडेमेयर, होमवर्ग एवं पीटर्स का सि(ान्त एवं उसका शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई–2 दूरस्थ शिक्षा एवं शिक्षक–स्वरूप, दायित्व, योग्यता, समस्याएं एवं प्रशिक्षण। दूरस्थ शिक्षा एवं विद्यार्थी– स्वरूप, विशेषताएं, विद्यार्थी सहायता सेवाएं एवं दूरस्थ शिक्षा की प्रकृति की दृष्टि से उसकी प्रासंगिकता।

इकाई–3 दूरस्थ शिक्षा एवं माध्यम– मुद्रित एवं अमुद्रित माध्यम, दूरस्थ शिक्षा में इनका उपयोग, मुद्रित सामग्री निर्माण की प्रक्रिया, अपेक्षित सावधनियां। दूरस्थ शिक्षा का संगठन–स्वरूप, क्षेत्राीय एवं स्थानीय अध्ययन केन्द्र–स्वरूप, कार्यविध् एवं प्रासंगिकता।

इकाई–4 दूरस्थ शिक्षा में मूल्यांकन की अवधरणा– विभिन्न प्रविध्यिां एवं उनका मूल्यांकन में अनुप्रयोग, दूरस्थ शिक्षा में शोध्, वर्तमान स्थिति एवं भविष्य में शोध् के प्रमुख बिन्दु।

अध्ययन ग्रंथ–

- पाण्डेय कल्पलता ;1988द्ध, दूरवर्ती शिक्षा के नये आयाम।
- यादव सियाराम, दूरवर्ती शिक्षा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- गुप्ता एस0पी0 एवं गुप्ता अलका, दूरस्थ शिक्षा, शारदा पुस्तक भवन, आगरा।
- शर्मा आर0ए0 ;2004द्ध, दूरवर्ती शिक्षा, सूर्या पब्लिकेशन, मेरठ।

नवम् सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्रा
पर्यावरण शिक्षा एवं परिस्थितिकीय विज्ञान

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थीः

- पर्यावरण के अर्थ, प्रदूषण एवं इसकी रोकथाम में अध्यापक की महती भूमिका को जान सकेंगे।
- परम्परागत भारतीय समाज में पर्यावरण के महतव को जान सकेंगे।
- पर्यावरण शिक्षा के उद्देश्य, महत्व, प्रभावित करने वाले कारकों एवं इस सम्बन्ध् में शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थानों से की जाने वाली अपेक्षाओं को जान सकेंगे।
- पर्यावरण शिक्षा को प्रभावी बनाने हेतु विभिन्न आव्यूह रचनाओं का प्रयोग कर सकेंगे।
- पर्यावरण शिक्षा से जुड़ी हुई समस्याओं तथा उसके समाधन में शिक्षक की भूमिका को चिन्हित कर सकेंगे।
- पर्यावरण प्रबंध्न एवं पर्यावरण शिक्षा में भारतीय मूल्यों की भूमिका का आंकलन कर सकेंगे।

इकाई–1 पर्यावरण–तात्पर्य, विविध् आयाम, पर्यावरण प्रदूषण–तात्पर्य, प्रकार, पर्यावरण विघटन, पर्यावरण प्रदूषण के रोकथाम में शिक्षक की भूमिका, परम्परागत भारतीय समाज में पर्यावरण का महत्व।

इकाई–2 पर्यावरण शिक्षा–उद्देश्य, आवश्यकता, महत्व, प्रभावित करने वाले कारक, पर्यावरण शिक्षा एवं शिक्षक–प्रशिक्षण संस्थाओं से अपेक्षाएं। पर्यावरण शिक्षा के विविध् संसाध्न एवं उनके उपयोग की विध्यिां, पर्यावरण शिक्षा के प्रचार–प्रसार में जन–संचार माध्यमों की भूमिका।

इकाई–3 पर्यावरण संरक्षण, जैविक विषमता का अर्थ, परिभाषा, स्तर, आवश्यकता एवं विशेषता, भारत में जैविक विषमता एवं संरक्षण, परिस्थितिकीय तथा परितंत्रा–अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, प्रकार, विशेषता, विध्यिां तथा प्रविध्यिां, परिस्थितिकीय विज्ञान एवं कला।

इकाई–4 परितंत्रा का प्रत्यय, प्रकार, विशेषता एवं विषमता, परिस्थितिकी एवं परितंत्रा में अन्तर, प्रकृति के साथ मानव का समन्वय।

अध्ययन ग्रंथ–

- गुप्ता बृजमोहन ;1992द्ध, जन संचार के विविध् आयाम, राधकृष्ण प्रकाशन प्रा0लि0, नई दिल्ली।
- गोयल एम0के0 ;1995द्ध, अपना पर्यावरण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- सक्सेना ए0बी0 ;1986द्ध, एनवायरानमेंटल एजुकेशनल नेशनल साइकोलाजिकल कार्पोरेशन, आगरा।
- सक्सेना ए0बी0 ;1996द्ध, एजुकेशन पफार द इनवायरानमेंटल कन्सर्न्स, राध पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
- शर्मा आर0ए0 ;2004द्ध, पर्यावरण शिक्षा, आर0लाल बुक डिपो, मेरठ।
- सेंगर एस0एस0 ;1996द्ध, पर्यावरण शिक्षा, साहित्य प्रकाशन, आगरा।

नवम् सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्रा ;अनिवार्यद्ध
प्रायोगिक एवं मौखिकी
लघु शोध् प्रबंध् एवं मौखिकी

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्यय के उपरान्त विद्यार्थीः

- विद्यार्थी लघु शोध् प्रबंध् निर्माण के चरणों से अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थी लघु शोध् प्रबंध् निर्माण की प्रक्रिया को जान सकेंगे।

इकाई–1 प्रस्तावना ;अध्ययन की पृष्ठभूमिद्ध, औचित्य, समस्या कथन, उद्देश्य, शोध् परिकल्पना एवं सीमांकन।

इकाई–2 सम्बन्ध्ति साहित्य का सर्वेक्षण, शोध् प्रविध् ;शोध् विध्, न्यादर्श, उपकरणद्ध।

इकाई–3 आंकड़ों का प्रस्तुतिकरण, विश्लेषण एवं व्याख्या, शोध् निष्कर्ष, शैक्षिक महत्व, अग्रिम शोध् एवं सुझाव और शोध्।

इकाई–4 संदर्भ ग्रंथ सूची।

लघु शोध् प्रबंध् लेखन 50 अंक, मौखिकी 25 अंक।

नोट– 75 अंक बाह्य परीक्षक एवं आन्तरिक परीक्षक के द्वारा सम्पन्न कराया जायेगा।

अध्ययन ग्रंथ–

- गुप्ता एस0पी0, अनुसंधन संदर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, प्रयागराज।
- राय पारसनाथ, अनुसंधन परिचय, नवरंग आपफसेट प्रिंटर्स, आगरा।
- भटनागर आर0पी0, शिक्षा अनुसंधन, लाल बुक डिपो, मेरठ।
- बेस्ट जे0डब्ल्यू0 ;1999द्ध, रिसर्च इन एजुकेशन, नई दिल्ली, प्रिंटिस हाल आपफ इंडिया प्रा0लि0।

दशम् सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्रा
शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन

उद्देश्य– इसप्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थीः

- शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन में भेद कर सकेंगे।
- मूल्यांकन एवं उसके महत्वपूर्ण बिन्दुओं–यथा शैक्षिक उद्देश्य, अधिगम अनुभव और व्यवहार परिवर्तन का अर्थ समझ सकेंगे।
- एक अच्छे परीक्षण की विशेषताओं तथा निबन्धत्मक एवं वस्तु निष्ठ परीक्षणों के गुण–दोषों से अवगत हो सकेंगे।
- वस्तु निष्ठ परीक्षण निर्माण की प्रक्रिया को जान सकेंगे।
- परीक्षणों की विश्वसनीयता, वैध्ता तथा मानक निर्धरण की विध्यिों को समझ सकेंगे।

इकाई–1 शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन–संकल्पना, आवश्यकता तथा महत्व, मापन तथा मूल्यांकन में भेद, शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण, मानव संदर्भित एवं निष्कर्ष संदर्भित परीक्षण–अधिगम एवं विशेषताएं, संरचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन–अभिप्राय एवं विशेषताएं, सतत विस्तृत मूल्यांकन–सम्प्रत्यय तथा शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई–2 एक अच्छे परीक्षण की विशेषताएं, निबन्धत्मक एवं वस्तु निष्ठ परीक्षण की विशेषताएं एवं सीमाएं, वस्तु निष्ठ परीक्षण निर्माण विध् िएवं प्रमापीकृत, शिक्षण बिन्दुओं का निर्धरण, पदलेखन, पद विश्लेषण, विभेदीकरण, मान एवं काठिन्य स्तर निर्धरण।

इकाई–3 परीक्षणों की विश्वसनीयता एवं वैध्ता निरूपण, मानक निर्धरण, लीकर्ट तथा थर्स्टन प्रकार की अभिवृत्ति मापनी का निर्माण, बु(, व्यक्तित्व, सृजनात्मकता के मापन सम्बन्धी परीक्षणों का विश्लेषण।

इकाई–4 मापन एवं मूल्यांकन में नवीन प्रवृत्तियां–परीक्षा सुधर, ग्रेडिंग प(ति, सेमेस्टर प(ति, प्रश्न बैंक, टी–प्राप्तांक, सी–प्राप्तांक, जेड–प्राप्तांक, सामान्य परिचय।

अध्ययन ग्रंथ–

- इबल आर0एल0 ;1965द्ध, मेजरिंग एजुकेशनल एचीवमेंट इन्डीविजुअल एन0जे0 प्रेंटिंस हाल इन्पफ।
- एनस्टासी ए0 ;1968द्ध, साइकोलाजिकल टेस्टिंग न्यू यार्क द मैक मिलन कं0।
- गिलपफोर्ड जे0पी0 ;1954द्ध, साइकोमेट्रिक मेथड्स न्यू यार्क, मेग्रो हिल बुक कं0।
- गुप्ता एस0पी0 ;1995द्ध, आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
- शर्मा आर0ए0 ;1993द्ध, मापन एवं मूल्यांकन, लायल बुक डिपो, मेरठ।
- पण्डेय के0पी0 ;2007द्ध, शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन, विश्व विद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

दशम् सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्रा
शैक्षिक तकनीकी

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के उपरान्त विद्यार्थीः

- शैक्षिक तकनीकी का अर्थ एवं समकालीन प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।
- शैक्षिक तकनीकी की विभिन्न प्रकारों का अर्थ समझ सकेंगे।
- शिक्षण अध्गिम सम्बन्ध की व्याख्या कर सकेंगे।
- अध्गिम के विभिन्न प्रकारों की व्याख्या कर सकेंगे।
- अभिक्रमित अनुदेशन की अवधरणा एवं प्रकारता से परिचित हो सकेंगे।
- शिक्षा में कम्प्यूटर, सह अनुदेशन तथा सूचना प्रौद्योगिकी के योगदान से अवगत हो सकेंगे।

इकाई–1 शैक्षिक तकनीकी–तात्पर्य, क्षेत्रा, विकास एवं समकालीन प्रवृत्तियां, तकनीकी के प्रकार, व्यवहार तकनीकी, अनुदेशन तकनीकी, शिक्षण तकनीकी, अनुदेशनात्मक रूपरेखा–प्रकृति एवं विषय क्षेत्रा। शिक्षण–अध्गिम सम्बन्ध, शिक्षण के प्रकार, शिक्षण की अवस्थाएं एवं उनके कार्यक्षेत्रा। शिक्षण अध्गिम के स्तर–स्मृति स्तर, अवबोध स्तर, विमर्शी स्तर, स्वरूप, अन्तर्निहित सि(ान्त।

इकाई–2 शिक्षण के प्रतिमान–सम्प्रत्यय, आवश्यकता एवं आवश्यक तत्व, शिक्षण के प्रतिमानों का वर्गीकरण, शिक्षण के कुछ चुने हुए प्रतिमान–आधरभूत शिक्षण प्रतिमान, सम्प्रत्यय, सम्प्राप्ति प्रतिमान–अवयव, विशेषताएं एवं शैक्षिक निहितार्थ।

इकाई–3 शिक्षण व्यवहार की धरणा, विशेषताएं एवं स्वरूप, कक्षा व्यवहार के क्रमिक स्वरूप, आव्यूह रचना एवं युक्तियां। शिक्षण व्यवहार के आशोध्न की विध्यिां–सूक्ष्म शिक्षण, अनुरूपित शिक्षण–सम्प्रत्यय एवं अनुप्रयोग।

इकाई–4 सम्प्रेषण एवं शिक्षण–सम्प्रेषण की संरचना, सि(ान्त, प्रकार एवं प्रक्रिया, सम्प्रेषण के माध्यमों का वर्गीकरण, बहु माध्य, उपागम, नेटवर्किंग। अभिक्रमित अनुदेशन–उत्पत्ति, अवधरणा एवं कार्यक्षेत्रा। रेखीय एवं शाखीय तथा श्रृंखलित अभिक्रम का निर्माण, अभिक्रम लेखन एवं मूल्यांकन, शिक्षण में कम्प्यूटर, सह अनुदेशन तथा सूचना प्रौद्योगिकी का योगदान, फ्रलैण्डर्स अन्तःक्रिया विश्लेषण, ई–लर्निंग, उभरती प्रवृत्तियां–सामाजिक अध्गिम अवधरणा, अध्गिम के लिए वेब 2.5 के साध्नों का उपयोग, सोशल नेटवर्किंग, साइट्स, ब्लाग्स, चैट्स, वीडियो कान्सिंग डिस्कशन पफोरम, ओपन एजुकेशन रिर्सोसेज ;क्रिएटिव क्रायन, मैसिव ओपन आन लाईन कोर्सेस, अवधरणा तथा अनुप्रयोग।

अध्ययन ग्रंथ–

- कुलश्रेष्ठ एस0पी0 ;2005द्ध, शैक्षिक तकनीकी के मूल आधर, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
- जायस ब्रूस एवं वील मार्शा ;1991द्ध, माडल्स आपफ टीचिंग, सोसायटी पफार एजुकेशनल रिसर्च एवं डेवेलपमेंट, बड़ौदा।
- पाण्डेय के0पी0 ;2011द्ध, माडर्न कांसेप्ट आपफ टीचिंग बिहेवियर, अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रिब्यूटर, दिल्ली।
- पाण्डेय सरला एवं उपाध्याय आर0 ;2001द्ध, शैक्षिक तकनीकी के आयाम, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- फ्रलैण्डर्स नेड ;1972द्ध, एनिलाइजिंग टीचिंग बिहेवियर, एडिशनल विजले पब्लिशिंग कम्पनी, कैलिपफोर्निया।
- ब्राउडी एल0 ;1972द्ध, माडल्स आपफ टीचिंग, प्रेंटिस हाल आपफ आस्ट्रेलिया, आस्ट्रेलिया।
- शर्मा आर0ए0 ;2004द्ध, शिक्षण तकनीकी, आर0लाल बुक डिपो, मेरठ।
- स्कीनर बी0एपफ0 ;1968द्ध, द टेक्नालाजी आपफ टीचिंग, मेरेडिथ कार्पोरेशन, न्यू यार्क।

दशम् सेमेस्टर
तृतीय / चतुर्थ प्रश्न पत्रा ;ऐच्छिक– ।द्ध
मूल्य एवं शांति शिक्षा

नोट– चार ऐच्छिक प्रश्न पत्राों में से चुने गए दो ऐच्छिक प्रश्न पत्रा क्रमशः तृतीय एवं चतुर्थ प्रश्न पत्रा होंगे।

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थीः

- मूल्य शिक्षा के अर्थ, प्रकृति और दायरे को जान सकेंगे।
- नैतिक मूल्यों के अर्थ और आवश्यकता को जान सकेंगे।
- शिक्षा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में वैश्वीकरण के मुद्दे की भूमिका को जान सकेंगे।
- शांति शिक्षा की आवश्यकता एवं वर्तमान में शांति शिक्षा की प्रासंगिकता को जान सकेंगे।

इकाई–1 मूल्य शिक्षा–परिभाषा, वर्तमान समय की प्रासंगिकता, मानव मूल्यों की अवधरणा, आत्म निरीक्षण, आत्म सम्मान, पारिवारिक मूल्य–परिवार के घटक, संरचना और जिम्मेदारियां, क्रोध का तदस्तकरण, समायोजन।

इकाई–2 नैतिक मूल्य–व्यवसायिक नैतिकता, सामाजिक मूल्य–आस्था, सेवा और ध्र्म निरपेक्षता, सामाजिक भावना और प्रतिब(ता–छात्रा और राजनीति, सामाजिक जागरूकता। जीवन के मूल्यों पर अन्तर्राष्ट्रीय मामलों का प्रभाव। वैश्वीकरण के मुद्दे, आधुनिक यु(, आतंकवाद, पर्यावरणीय मुद्दे, विभन्न संस्कृतियों, ध्र्मों और उनकी मान्यताओं का परस्पर सम्बन्ध।

इकाई–3 शांति शिक्षा–मौलिक अवधरणा, कार्यक्षेत्रा, आवश्यकता और इसका महत्व, शांति शिक्षा के उद्देश्य, शांति शिक्षा में यूनेस्को जैसे विभिन्न संगठनों की भूमिका ;डेलर्स आयोग की रिपोर्ट के विशेष संदर्भ मेंद्ध, एन0सी0एपफ0 2009, शांति शिक्षा पर सिपफारिशें, शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व के लिए मूल्यों के विकास में समुदाय, स्कूल और परिवार की भूमिका।

इकाई–4 एक गतिशील सामाजिक वास्तविकता के रूप में शांति को समझना, तनाव, संघर्ष, अपराध, आतंकवाद को बढ़ाकर शांति के लिए चुनौतियां, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रेम, करूणा, सहिष्णुता और सद्भाव के विकास में शांति शिक्षा की भूमिका।

अध्ययन ग्रंथ–

- अन्चुकन्डम और जे0 कुत्तैनीमथाथिल ;ईडीद्ध ग्रो नै लाइव नै, क्रिशिटु ज्योति पब्लिकेशन्स, बैंग्लौर ;1995द्ध।
- मनी जैकब ;ईडीद्ध रिसोर्स बुक पफार वैल्यू एजुकेशन, इन्स्टीट्यूट पफार वैल्यू एजुकेशन, नई दिल्ली 2002।
- डी0बी0एन0आई0, एन0सी0ई0आर0टी0, एस0सी0ई0आर0टी0, ध्र्म भारती नेशनल इंस्टीट्यूट आपफ पीस और वैल्यू एजुकेशन, सिकन्दराबाद, 2002।
- डेनियल और सेल्वामानी–वैल्यू एजुकेशन टूडे, ;मद्रास क्रिश्चियन कालेज, टम्बरम और ए0एल0ए0सी0एच0ई0, नई दिल्ली ;1990द्ध एस0 ईगनैसीमुथुव वैल्यू पफार लाईपफ–बेटर योरसेल्पफ बुक्स, मुम्बा, 1991।

दशम् सेमेस्टर
तृतीय/चतुर्थ प्रश्न पत्रा ;ऐच्छिक–।।द्ध
अध्यापक शिक्षा

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थीः

- अध्यापक शिक्षा के विषय में जान सकेंगे।
- भारत की शिक्षा से सम्बन्धित महत्वपूर्ण आयोगों का अध्ययन कर सकेंगे।
- भारत की शिक्षा से सम्बन्धित नवीन परिषदों एवं समितियों के विषय में जान सकेंगे।
- भारत की महत्वपूर्ण नवीन शिक्षा नीति से सम्बन्धित कुछ नवीन आयोगों एवं उनकी संस्तुतियों को जान सकेंगे।

इकाई–1 अध्यापक शिक्षा का अर्थ, प्रकृति तथा विषय क्षेत्रा, अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों के प्रकार।

इकाई–2 एन0सी0ई0आर0टी0 तथा एन0सी0टी0ई0 के पाठ्यचर्या प्रलेखों में प्रारम्भिक, माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर अध्यापक शिक्षा, पाठ्यचर्या की संरचना तथा इससे सम्बन्धित दूर दृष्टि, सेवा पूर्व अध्यापक शिक्षा के घटकों का संगठन, सम्व्यवहारपरक उपागम ;आधरित पाठ्यक्रमों के लिएद्ध प्रतिपादक, सहयोगात्मक तथा अनुभवजन्य अधिगम।

इकाई–3 अध्यापक शिक्षा में नवीन प्रवृत्तियां, दूरस्थ अध्यापक शिक्षा, अध्यापक शिक्षा में नवाचार, एकीकृत अध्यापक, शिक्षा कार्यक्रम, एस0सी0आर0टी0, डी0आई0ई0टी0, एन0सी0ई0आर0टी0, एन0आई0ई0पी0ए0, यू0जी0सी0, ए0एस0सी0।

इकाई–4 व्यवसाय एवं व्यवसायीकरण की संकल्पना, व्यावसाय के रूप में अध्यापन, अध्यापकों की व्यवसायिक आचार नीतियां, आई0सी0टी0 एकीकरण, अध्यापक शिक्षा में नवाचार, अध्यापक शिक्षा में व्यवसायीकरण के लिए गुणवत्ता संव(र्न।

अध्ययन ग्रंथ–

- ए0आई0यू0–टीचर एजुकेशन इन इंडिया, नई दिल्ली, 2000 ।
- गुप्ता, अरूण के0–टीचर करेन्ट एण्ड प्रास्पेक्टस, ईस्ट लर्निंग पब्लिशर्स प्रा0 लि0, दिल्ली, 1994 ।
- चौरसिया–न्यू एराईन टीचर एजुकेशन, ईस्ट लर्निंग पब्लिशर्स प्रा0लि0, दिल्ली, 1984 ।

दशम् सेमेस्टर
तृतीय/चतुर्थ प्रश्न पत्रा ;ऐच्छिक–।।।द्ध
मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता ;सुरक्षाद्ध

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थीः

- मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रत्यय के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- विविध प्रकार के मनोचिकित्सा के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थियों में ध्यान एवं विश्राम के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण जान सकेंगे।

इकाई–1 मानसिक स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के अवधरणा का परिचय, मानसिक स्वास्थ्य एवं मानसिक बीमारी के प्रत्यय का अध्ययन, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में ;मनोवैज्ञानिक, मनोसामाजिक एवं वर्तमानद्ध, मानसिक स्वच्छता का प्रत्यय, उद्देश्य एवं सि(ान्त।

इकाई–2 मनोचिकित्सा–मनोचिकित्सा का प्रत्यय, लक्ष्य एवं उपागम, मनोविश्लेषण, मानवतावादी चिकित्सा, अस्तित्ववादी मनोचिकित्सा एवं संज्ञानात्मक मनोचिकित्सा की प्रमुख विशेषताएं।

इकाई–3 शिक्षा एवं मानसिक स्वास्थ्य–मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक ;घर, समाज और विद्यालयद्ध, विश्राम एवं ध्यान का अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को बनाये रखने में प्रभाव।

इकाई–4 समायोजन एवं कुसमायोजन–समायोजन का प्रत्यय, कुसमायोजन एवं उपचारात्मक मापन का प्रत्यय एवं कारक, कुसमायोजन के संकेतक ;निराशा, चिंता, भय एवं उन्माद के संदर्भ मेंद्ध

अध्ययन ग्रंथ–

- लेहरनर जार्ज एपफ0जे0 एवं इला कूबे–द डायनमिक आपफ पर्सनल एडजस्टमेंट न्यू यार्क प्रैक्टिस हाल आई0एन0सी0 1964।
- कैरोल हर्बर्ट, ए मेंटल हाइजीन, द डायनमिक आपफ एडजस्टमेंट, न्यू यार्क प्रैक्टिस हाल, आई0एन0सी0 1969।
- लेजारस रिचर्ड्स, एस0 पैटर्न्स आपफ एडजस्टमेंट, न्यू यार्क मैकग्राहिल बुक कम्पनी 1976।

दशम् सेमेस्टर
तृतीय/चतुर्थ प्रश्न पत्रा ;ऐच्छिक– ।अद्ध
प्रौढ़ शिक्षा एवं शिक्षण शास्त्रा

उद्देश्य– इस प्रश्न पत्रा के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थीः

- शिक्षण शास्त्रा के सि(ान्तों का वर्णन जान सकेंगे।
- मूल्यांकन की प्रकृति को जान सकेंगे।
- स्वायत्तता का गत्यात्मक माडल की आवश्यकता को जान सकेंगे।
- प्रौढ़ शिक्षा के विषय में जान सकेंगे।

इकाई–1 शिक्षण शास्त्रा सम्बन्धी विश्लेषण–संकल्पना तथा चरण, आलोचनात्मक शिक्षण शास्त्रा, अर्थ, आवश्यकता तथा अध्यापक शिक्षा में इसका निहितार्थ, प्रौढ़ शिक्षा–संकल्पना, अर्थ, नियम, सि(ान्त, गत्यात्मक माडल।

इकाई–2 शिक्षण शास्त्रा में मूल्यांकन प्रतिपुष्टि, युक्तियां, अर्थ, प्रकार, मानदण्ड, मार्गदर्शन, पोर्टपफोलियो का विश्लेषण।

इकाई–3 रिपफलेक्टिव जनरल पफील्ड इंगेजमेंट, सक्षमता आधरित मूल्यांकन, आई0सी0टी0 संसाध्नों का मूल्यांकन।

इकाई–4 प्रौढ़ शिक्षा का मूल्यांकन, अन्तःक्रिया विश्लेषण, फ्रलैण्डर्स का अन्तःक्रिया विलेषण, अध्यापक मूल्यांकन के मापदंड ;उत्पाद, प्रक्रिया तथा पूर्वज्ञान मानदण्डद्ध, स्व तथा समकक्ष मूल्यांकन के लिए रूब्रिक्श ;अर्थ निर्माण के चरणद्ध।

अध्ययन ग्रंथ–

- चौध्री अर्नत एवं जयंता मेटे ;2020द्ध पेडागागी, एण्डाग्रागी और एसेसमेंट, कुनाल बुक, नई दिल्ली।

दशम् सेमेस्टर
पंचम् प्रश्नपत्रा ;अनिवार्यद्ध
प्रायोगिक कार्य एवं मौखिकी

रिसर्च प्रोजेक्ट ;अनिवार्यद्ध–

- कौशल विकास केन्द्रों का सर्वेक्षण– 25 अंक
  - – मुख्यमंत्राी कौशल विकास केन्द्र,
  - – प्रधनमंत्राी कौशल विकास केन्द्र,
  - – पं0 दीन दयाल उपाध्याय कौशल विकास केन्द्र।
- निम्नलिखित व्यवसायिक संस्थाओं ;सरकारी एवं गैर सरकारीद्ध में से किसी एक का सर्वेक्षण करके रिसर्च प्रोजेक्ट का निर्माण करना– 25 अंक
  - –आई0टी0आई0,
  - – पालिटेक्निक कालेज,
  - – पैरामेडिकल कालेज।
- मौखिकी –25 अंक

नोट– 75 अंक बाह्य परीक्षक एवं आन्तरिक परीक्षक के द्वारा सम्पन्न कराया जायेगा।